

Hanuman Aarti Lyrics in Hindi English

Hanuman Aarti Lyrics in Hindi

॥ श्री हनुमंत स्तुति ॥
मनोजवं मारुत तुल्यवेगं,
जितेन्द्रियं, बुद्धिमतां वरिष्ठम् ॥
वातात्मजं वानरयुथ मुख्यं,
श्रीरामदुतं शरणम प्रपद्ये ॥

॥ आरती ॥
आरती कीजै हनुमान लला की ।
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ॥

जाके बल से गिरवर काँपे ।
रोग-दोष जाके निकट न झाँके ॥
अंजनि पुत्र महा बलदाई ।
संतन के प्रभु सदा सहाई ॥
आरती कीजै हनुमान लला की ॥

दे वीरा रघुनाथ पटाए ।
लंका जारि सिया सुधि लाये ॥
लंका सो कोट समुद्र सी खाई ।
जात पवनसुत बार न लाई ॥
आरती कीजै हनुमान लला की ॥

लंका जारि असुर संहारे ।
सियाराम जी के काज सँवारे ॥
लक्ष्मण मुर्छित पड़े सकारे ।
लाये संजिवन प्राण उबारे ॥
आरती कीजै हनुमान लला की ॥

पैठि पताल तोरि जमकारे ।
अहिरावण की भुजा उखारे ॥
बाई भुजा असुर दल मारे ।
दाहिने भुजा संतजन तारे ॥
आरती कीजै हनुमान लला की ॥

सुर-नर-मुनि जन आरती उतरे ।
जय जय जय हनुमान उचारे ॥
कंचन थार कपूर लौ छाई ।
आरती करत अंजना माई ॥
आरती कीजै हनुमान लला की ॥

जो हनुमानजी की आरती गावे ।
बसहिं बैकुंठ परम पद पावे ॥
लंक विध्वंस किये रघुराई ।
तुलसीदास स्वामी कीर्ति गाई ॥

आरती कीजै हनुमान लला की ।
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ॥
॥ इति संपूर्णम् ॥

Hanuman Aarti Lyrics in English

□ Shri Hanumant Stuti □
Manojavam Marut Tulyavegam,
Jitendriyam, Buddhimatam Varishtham.
Vatatmajam Vanarayuth Mukhyam,
Shri Ramdutam Sharanam Prapadye.

□ Aarti □
Aarti Keejai Hanuman Lala Ki,
Dusht Dalan Raghunath Kala Ki.

Jaake Bal Se Girivar Kaampe,
Rog-Dosh Jaake Nikat Na Jhaanke.
Anjani Putra Maha Baldaai,
Santaaan Ke Prabhu Sada Sahai.
Aarti Keejai Hanuman Lala Ki.

De Veera Raghunath Pathaye,
Lanka Jaari Siya Sudhi Laye.
Lanka So Kot Samudra Si Khaai,
Jaat Pavan Sut Baar Na Laai.
Aarti Keejai Hanuman Lala Ki.

Lanka Jaari Asur Sanhaare,
Siya Ram Ji Ke Kaaj Sanwaare.
Lakshman Murchhit Padhe Sakaare,
Laaye Sanjeevan Praan Ubaare.
Aarti Keejai Hanuman Lala Ki.

Paithi Patal Tor Jamkaare,
Ahiravan Ki Bhujha Ukhaare.
Baayi Bhujha Asur Dal Maare,
Daahine Bhujha Santjan Taare.
Aarti Keejai Hanuman Lala Ki.

Sur-Nar-Muni Jan Aarti Utare,
Jai Jai Jai Hanuman Uchare.
Kanchan Thar Kapoor Lau Chhaai,
Aarti Karat Anjana Mai.
Aarti Keejai Hanuman Lala Ki.

Jo Hanumanji Ki Aarti Gaave,
Basahi Vaikunth Param Pad Paave.
Lanka Vidhwans Kiye Raghurayi,
Tulsidas Swami Kirti Gaai.

Aarti Keejai Hanuman Lala Ki,

Dusht Dalan Raghunath Kala Ki.

□ Iti Sampurnam □

About Hanuman Aarti in English

Hanuman Aarti is a powerful devotional hymn dedicated to Lord Hanuman, the mighty deity known for his strength, devotion, and selfless service to Lord Rama. This aarti praises Lord Hanuman's qualities and deeds, invoking his blessings for strength, courage, and protection from all evils. The song begins by acknowledging Hanuman's unmatched power and his ability to overcome all obstacles with ease. It describes him as a fearless warrior, whose strength makes even the mountains tremble.

The aarti highlights several of Hanuman's heroic deeds, such as his role in burning Lanka and his journey to bring the Sanjeevani herb to revive Lakshman during the battle. It also praises his unwavering devotion to Lord Rama, his ability to vanquish demons, and his undying love for his devotees.

Sung with deep devotion, this aarti is believed to bring spiritual benefits, such as protection from danger, healing from diseases, and removal of negative energies. The song also reminds the devotees of Hanuman's humility and his willingness to serve Lord Rama. By singing the Hanuman Aarti, devotees seek blessings for strength, wisdom, and divine grace, while also cultivating a spirit of devotion, courage, and righteousness in their lives.

About Hanuman Aarti in Hindi

हनुमान आरती भगवान श्री हनुमान के प्रति समर्पण और भक्ति का एक शक्तिशाली गीत है। यह आरती हनुमान जी की दिव्य शक्ति, समर्पण और भगवान श्री राम के प्रति उनकी अडिग भक्ति की प्रशंसा करती है। हनुमान जी को अपनी अपार शक्ति और साहस के लिए जाना जाता है, और यह आरती उनके वीरता के कई उदाहरणों का उल्लेख करती है, जैसे कि उन्होंने लंका को जलाया और लक्ष्मण जी की जान बचाने के लिए संजीवनी बूटी लाई।

हनुमान आरती में उनकी निष्ठा और श्रद्धा का भी वर्णन है, जो उन्होंने श्री राम के प्रति दिखाई। हनुमान जी को भगवान राम का सबसे भरोसेमंद सेवक और सच्चा भक्त माना जाता है। यह आरती उनके गुणों का गुणगान करते हुए उनके भक्तों से उनकी कृपा की याचना करती है।

हनुमान आरती का पाठ करने से भक्तों को मानसिक और शारीरिक बल मिलता है, साथ ही जीवन में शांति, समृद्धि और खुशहाली भी आती है। यह गीत भक्तों को भगवान हनुमान के आदर्शों की ओर प्रेरित करता है, जैसे कि सत्य, साहस, भक्ति और समर्पण। हनुमान आरती का गायन करने से सभी प्रकार की विपत्तियों से मुक्ति मिलती है और भगवान हनुमान की विशेष कृपा प्राप्त होती है।